तैयार टीम इंडिया

आंकड़ों पर आफत

राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग के दो सदस्यों ने इस्तीफा देते हुए अपने कामकाज में सरकारी दखल का जो आरोप लगाया है, उससे इस संस्था के भविष्य पर सवालिया निशान लग गया है। आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष पीसी मोहनन और सदस्य जेवी मीनाक्षी ने सरकार के रवैये से निराश होकर इस्तीफा दे दिया। सात सदस्यों वाले राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग में तीन पद पहले से खाली थे। इन इस्तीफों के बाद इसमें दो ही सदस्य रह गए हैं- नीति आयोग के उपाध्यक्ष अमिताभ कांत और मुख्य सांख्यिकीविद प्रवीण श्रीवास्तव। पीसी मोहनन ने कहा कि सरकार आयोग के काम को गंभीरता से नहीं ले रही है और सदस्यों की सलाह को नजरअंदाज कर रही है।

उन्होंने राष्ट्रीय सैंपल सर्वे संगठन (एनएसएसओ) की रिपोर्ट को रोके जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि हमने राष्ट्रीय सैंपल सर्वे संगठन की रिपोर्ट को दिसंबर 2018 की शुरुआत में ही मंजूरी दे दी थी, लेकिन करीब दो महीने बीत जाने के बाद भी रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया है। अभी तक एनएसएसओ के निष्कर्षों को आयोग का अनुमोदन मिल जाने के कुछ दिन बाद ही उसकी रिपोर्ट जारी कर दी जाती रही है। कहा जा रहा है कि इस रिपोर्ट में नोटबंदी के बाद कम हुई नौकरियों के आंकड़े मौजूद थे। मौजूदा सरकार में आने वाली इस तरह की यह पहली रिपोर्ट थी।

इस्तीफा देने वाले दोनों सदस्य बीते साल बैक सीरीज जीडीपी डेटा जारी करने से पहले आयोग की सलाह न लिए जाने से भी नाराज हैं। नीति आयोग ने इन आंकड़ों के जरिये यह दिखाने का प्रयास किया था कि मोदी सरकार की विकास दर यूपीए सरकार से बेहतर रही है। तीन साल पहले भी जीडीपी पर आधारित डेटा के अंतिम रूप को लेकर राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग को किनारे करने का आरोप नीति आयोग पर लगा था। बहरहाल, सांख्यिकी आयोग का यह हाल देखकर सरकार मामले को संभालने में लग गई है। दोनों अधिकारियों को बात करने के लिए बुलाया गया है। केंद्रीय सांख्यिकी और कार्य म क्रियान्वयन राज्य मंत्री विजय गोयल का कहना है कि इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। सरकार हर बार पांच साल का एनएसएसओ डेटा जारी करती है लेकिन आयोग के पास सिर्फ एक साल के आंकड़े उपलब्ध हैं, लिहाजा सरकार का मानना है कि इससे सही तस्वीर सामने नहीं आ पाएगी।

इस सफाई के बावजूद यह बात एक बार फिर साबित हुई है कि इस सरकार में किसी भी स्वायत्त संस्था के लिए सहज होकर काम करना आसान नहीं है। राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग का गठन इसलिए किया गया था कि इससे देश के विभिन्न पहलुओं की ठोस जानकारी सार्वजनिक दायरे में मौजूद रहेगी। लेकिन अभी तो सरकारें चाहे केंद्र की हों या राज्य की, वे हमेशा चुनावी चिंता में डूबी रहती हैं और हर मोर्चे पर गुलाबी तस्वीरें टांगे रहना ही उन्हें जरूरी लगता है।

ग्रैच्युटी की सीमा बढ़ाकर 30 लाख रुपये की गई, बड़ी पेंशन योजना की घोषणा

नयी दिल्ली (आरएनएस)। सरकार ने शुक्रवार को ग्रैच्युटी की सीमा को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 30 लाख रुपये करने की घोषणा की। वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने 2019-20 का बजट पेश करते हुए एक बड़ी पेंशन योजना की भी घोषणा की जिसके तहत असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को हर महीने 3,000 रुपये दिए जाएंगे। गोयल ने प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन (पीएमएसवाईएम) की घोषणा करते हुए कहा कि इससे

असंगठित क्षेत्र के 10 करोड़ कर्मचारियों को फायदा होगा। गोयल ने कहा, ''यह संभवत : पांच साल में असंगठित क्षेत्र के लिए दुनिया की सबसे बड़ी पेंशन योजना बन जाएगी।'' उन्होंने कहा कि असंगठित क्षेत्र के 42 करोड़ कर्मचारी देश के 50 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान देते हैं। वित्त मंत्री ने अगले वित्त वर्ष से ग्रैच्युटी की सीमा को भी 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 30 लाख रुपये करने की घोषणा की। गोयल ने कहा कि पीएमएसवाईएम के तहत 60 साल की उम्र के बाद असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को हर महीने 3,000 रुपये की पेंशन मिलेगी। पेंशनभोगियों को इसके लिए हर महीने 100 रुपये का योगदान देना होगा।

मोबाइल डाटा का उपयोग 50 प्रतिशत बढ़ा : गोयल

नयी दिल्ली (आरएनएस)। मोबाइल डाटा उपयोग में भारत के अग्रणी स्थान पर पहुंच जाने का दावा करते हुए वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने आज कहा कि देश में मोबाइल डाटा का उपयोग 50 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में डाटा एवं वायस काल की लागत विश्व में संभवत सबसे कम है। गोयल ने शुक्रवार को लोकसभा में पेश 2019-20 का अंतरिम बजट पेश करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''भारत मोबाइल डाटा उपभोग में विश्व में अग्रणी स्थान पर आ गया है।'' उन्होंने कहा कि मोबाइल डाटा उपभोग 50 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने बजट भाषण में यह भी घोषणा की कि अगले पांच वर्ष में देश में एक लाख् ''मोबाइल ग्रामों'' की स्थापना की जाएगी।

जल्दबाजी में ई-वाणिज्य एफडीआई नियमों को लागू किए जाने से निराशा : फ्लिपकार्ट

नयी दिल्ली (आरएनएस)। फ्लिपकार्ट ने शुक्रवार को कहा कि वह ई-वाणिज्य कंपनियों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों में बदलाव के फैसले को सरकार के जल्दबाजी में लागू करने पर निराश है। फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने कहा कि हालांकि वह नियमों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, भले ही इसके लिए उसे अपनी आपूर्ति श्रृंखला और प्रणाली में व्यापक बदलाव करने की जरूरत है। नए एफडीआई नियमों की घोषणा दिसंबर में की गई थी। ये नियम उन कंपनियों के अपना सामान ऑनलाइन बेचने की सीमा तय करते हैं जिनमें निवेश करनी वाली विदेशी कंपनी की हिस्सेदारी होती है। यह नए नियम एक फरवरी से लागू हो गए हैं। फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने कहा कि सरकार के इस फैसले को जल्दबाजी में लागू करने से हमें निराशा हुई है लेकिन हम नए नियमों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वर्ल्डकप से पहले न्यूजीलैंड और बांग्लादेश से अभ्यास मैच खेलेगा भारत

दुबई (आरएनएस)। विश्व कप की तैयारियों के मद्येनजर भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड और बांगलादेश के साथ दो आधिकारिक अभ्यास मैच खेलेगी. अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को इसकी घोषणा की. आईसीसी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार भारत 25 मई को इंग्लैंड के द ओवल में न्यूजीलैंड से और 28 मई को कार्डिफ में बांग्लादेश के साथ अभ्यास मैच खेलने उतरेगा.

विश्व कप में भाग लेने वाली सभी 10 टीमें टूर्नामेंट से पहले इंग्लैंड के चार स्थलों पर दो-दो आधिकारिक मैच

खेलेगी. इन मैचों के लिए टिकट और प्रसारण की घोषणा अप्रैल में जारी होगी.

बयान के अनुसार, इंग्लैंड के चार आधिकारिक आयोजन स्थल ब्रिस्टल कंट्री ग्राउंड, कार्डिफ वेल्स स्टेडियम, हैम्पशायर बॉल और द ओवल पर 24 से 28 मई के दौरान पांच दिनों तक ये अभ्यास मैच खेले जाएंगे.

अभ्यास मैच 50 ओवरों का होगा लेकिन इसे वनडे का आधिकारिक दर्जा नहीं मिलेगा. मैच के दौरान टीमें अपने सभी 15 खिलाड़ियों को क्षेत्ररक्षण के लिए मैदान में उतार सकती है.

अभ्यास मैच के तय कार्यक्रम के अनुसार, 24 मई को ब्रिस्टल में पाकिस्तान का सामना अफगानिस्तान से और वेल्स में श्रीलंका का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा.

25 मई को हैम्पशायर में इंग्लैंड के सामने आस्ट्रेलिया और ओवल में भारत के सामने न्यूजीलैंड की चुनौती होगी.

यस बैंक के वरिष्ठ समूह अध्यक्ष प्रलय मंडल का इस्तीफा

नयी दिल्ली (आरएनएस)। यस बैंक के वरिष्ठ समूह अध्यक्ष एवं खुदरा और

कारोबार बैंकिंग के प्रमुख प्रलय मंडल ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) राणा कपूर के पद छोड़ने के साथ ही इस्तीफा दिया है। यस बैंक ने शेयर बाजारों को दी गयी जानकारी में कहा, प्रलय मंडल ने 31 जनवरी, 2019 को बैंक के वरिष्ठ अध्यक्ष और खुदरा और कारोबारी बैंकिंग के प्रमुख पद से इस्तीफा दे दिया। वह 31 मार्च, 2019 तक नोटिस अवधि को पूरा करेंगे। वर्ष 2012 में यस बैंक से जुड़ने वाले मंडल उन दो वरिष्ठ अधिकारियों में शामिल थे, जिन्हें पिछले साल सितंबर में कार्यकारी निदेशक के पद पर प्रोन्नत किया गया था।

गौतम गंभीर ने विश्व कप के लिए अश्विन का किया समर्थन

हैमिल्टन (आरएनएस)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने विश्व कप के लिए स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का समर्थन करते हुए कहा है कि उनका अनुभव टूर्नामेंट में टीम के काम आएगा।

2011 विश्व कप फाइनल के हीरो रहे गंभीर ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। अश्विन इस समय सीमित ओवरों की क्रिकेट से भारतीय टीम से बाहर हैं और कलाई के स्पिनर युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव सीमित ओवरों के प्रारूप में भारत के लिए मुख्य स्पिनर की भूमिका निभा रहे हैं। गंभीर ने कहा, 'विश्व कप के लिए उनके नाम पर विचार करना चाहिए, क्योंकि वह एक प्रमुख स्पिनर हैं, जिनके नाम टेस्ट में 300 विकेट हैं। यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि इसलिए यदि उन्हें कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल की जगह किसी को शामिल करना हो तो वह अश्विन को चुनेंगे। दिल्ली के पूर्व कप्तान ने कहा, 'उनके पास एक अच्छा अनुभव है ।

वेलिंगटन में लो स्कोरिंग मैच जीत चुकी है टीम इंडिया, पिछली बार मिली थी हार

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज में रोमांच तब लौट आया जब पहले तीन मैच जीतने के बाद टीम इंडिया को करारी हार का सामना करना पड़ा. न्यूजीलैंड ने इस मैच को अपने नाम कर भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में जीत का खाता खोलते हुए सीरीज 3-1 कर दी. मेजबान टीम ने सेडन पार्क में खेले गए चौथे वनडे मैच में भारत को आठ विकेट से हरा दिया. इस मैच में टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करते हुए 30.5 ओवर में 92 रन बनाकर आउट हो गई जिसके बाद न्यूजीलैंड ने 93 रनों का लक्ष्य केवल 14.4 ओवरों में हासिल कर लिया.

अब दोनों टीमें सीरीज का आखिरी मैच रविवार को वेलिंगटन के वेस्टपैक स्टेडियम में खेलेंगी. टीम इंडिया का वेलिंगटन में रिकॉर्ड अच्छा नहीं तो बुरा भी नहीं है. दरअसल अब तक दोनों ही टीमों के बीच यहां अब तक केवल तीन वनडे मैच ही हुए हैं. इनमें से एक में भारत और एक में न्यूजीलैंड को जीत मिली है, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा है.

लो स्कोरिंग मैच में जीता था पहला मैच

इस मैदान पर खेला गया पहला मैच टीम इंडिया ने जीता था. साल 2003 में खेला गया यह मैच लो स्कोरिंग था. न्यूजीलैंड के कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी को चुना, लेकिन उनकी टीम 43वें ओवर में केवल 168 रन बनाकर आउट हो गई. टीम इंडिया के लिए जहीर खान ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए थे. उनके अलावा जगावल श्रीनाथ, अनिल कुंबले और आशीष नेहरा ने दो-दो विकेट लिए थे.

ऐसे और यहां से मिला था भगवान कृष्णा को सुदर्शन चक्र

बहुत कम लोग इस बात से वाकिफ हैं कि भगवान श्री कृष्ण के पास अगर कोई सबसे शक्तिशाली हथियार था तो वो था उनका सुदर्शन चक्र. वहीं उन्होंने दुष्टों का संहार करने के लिए सुदर्शन चक्र चलाया है और आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि भगवान श्री कृष्ण ने सुदर्शन चक्र की प्राप्ति कैसे हुई. जी हाँ, भगवान श्री कृष्ण ने सुदर्शन चक्र की प्राप्ति की कथा बहुत रोचक है. तो आज हम आपको बताते हैं इससे जुडी कथा के बारे में.

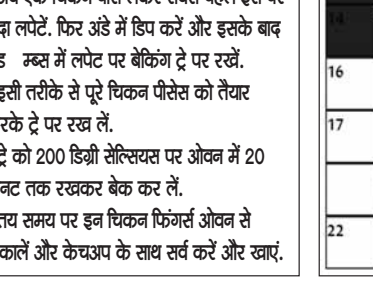

पौराणिक कथा - पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, दैत्यों के अत्याचार से परेशान होकर देवताओं ने भगवान विष्णु से इनका

संहार करने की प्रार्थना की. भगवान विष्णु देवताओं को लेकर भगवान शिव के पास कैलाश पर्वत पर पहुंचे और शिव की स्तुति की. भगवान विष्णु ने शिव का एक- एक नाम लेकर उन्हें प्रत्येक नाम के साथ एक कमल का फूल अर्पित किया और इस तरह विष्णु ने एक हजार कमल के फूल शिवजी पर चढ़ाए. भगवान विष्णु की परीक्षा लेने के लिए शिवजी ने इन फूलों में से एक फूल को छिपा दिया. जब भगवान विष्णु ने फूलों की गिनती की तो उन्हें इसमें एक फूल कम मिला, उन्होंने फूल काफी ढूंढा लेकिन जब वो नहीं मिला तो विष्णु ने शिवजी को प्रसन्न करने के लिए कमल के फूल की जगह अपनी एक आंख निकालकर चढ़ाई.

आंख इसलिए अर्पित की क्योंकि भगवान विष्णु के नयनों को कमल के समान बताया गया है और इसी कारण उन्हें कमल नयन कहा जाता है. यही सोचकर उन्होंने कमल की जगह कमल जैसी अपनी आंख शिवजी को अर्पित की . यह देखकर शिवजी प्रसन्न हुए और उन्होंने विष्णु जी से वरदान मांगने को कहा, विष्णु जी ने दैत्यों के विनाश के लिए एक अजेय अस्त्र मांगा जिसके बाद भगवान शंकर ने विष्णु जी को सुदर्शन चक्र प्रदान किया. इस प्रकार सुदर्शन चक्र का निर्माण संहारकर्ता भगवान शिव ने किया था और निर्माण के बाद इसे भगवान विष्णु को सौंप दिया और जब भगवान विष्णु ने श्री कृष्ण के रूप में आठवां अवतार लिया तो ये उनके पास आ गया.

आज का राशिफल

मेषः आज नए साल के पहले दिन बाहर घूमन-फिरने और शानदार भोजन मिलने का योग है। व्यापारियों को लाभ और सफलता मिलेगी। प्रवास, आर्थिक लाभ और वाहन सुख का योग है।

वृषभः आज का दिन शुभ है। कार्य सफलतापूर्वक पूरे होंगे। आर्थिक लाभ होगा। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगे। बीमारी में राहत होगी। नौकरी में लाभ होगा।

मिथुनः आज संतान और जीवनसाथी के स्वास्थ्य के संबंध में चिंता होगी। वाद-विवाद में न पड़ें। आत्म सम्मान को ठेस पहुंच सकती है। पेट संबंधी बीमारियों की आशंका है।

कर्कः शरीर में आलस्य या अस्वस्थता हो सकती है। मनमुटाव और तकरार की आशंका है। सार्वजनिक रूप से मानहानि होने से दुःख का अनुभव करेंगे। समय से भोजन नहीं मिलेगा।

सिंहः कार्य सफलता और प्रतिस्पर्द्धियों पर विजय मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। भाई- बहनों के साथ कोई आयोजन करेंगे। स्वास्थ्य बना रहेगा। प्रियजनों की मुलाकात से खुशी होगी।

कन्याः परिवार में आज आनंद का वातावरण रहेगा। वाणी की मधुरता और न्यायप्रिय व्यवहार से आप लोकप्रियता प्राप्त करेंगे। आर्थिक लाभ होंगे। विद्यार्थियों के लिए अनुकूल समय है।

तुलाः आज आपको कार्यक्षेत्र में सुनहरा अवसर प्राप्त हो सकता है। आपकी रचनात्मक और कलात्मक शक्ति अधिक निखरेगी। आर्थिक लाभ होगा। वाहन सुख की प्राप्ति होगी।

वृश्चिकः आनंद-प्रमोद, मनोरंजन के पीछे धन व्यय होगा। दुर्घटना से संभलकर रहें। स्वभाव में कुछ उग्रता रहेगी, इसलिए झगड़े से दूर रहें। मानहानि या धनहानि की आशंका है।

धनुः आज का दिन लाभदायी है ऐसा गणेशजी कहते हैं। जीवन का संपूर्ण आनंद आप प्राप्त कर पाएंगे। प्रेम की सुखद अनुभूति होगी। मित्रों के साथ किसी रमणीय स्थल पर घूमने जा सकते हैं।

मकरः व्यापार-धंधे के लिए आज का दिन शुभ है। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी या नौकरी में उच्च पदाधिकारियों द्वारा आपके काम की प्रशंसा होगी। पदोन्नति के योग की संभावना है।

कुंभः आज आपको बेचैनी, थकान और ऊबन रहेगी। काम करने का उत्साह नहीं रहेगा। ऑफिस और काम-काज की जगह पर बॉस की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। लंबी यात्रा होगी।

मीनः स्वास्थ्य के संबंध में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। बीमारी के पीछे खर्च करना पड़ सकता है। कामकाज में भी कुछ परेशानी हो सकती है। संभलकर बोलें।

बेक्ड चिकन फिंगर्स की रेसिपी

आमतौर चिकन फिंगर्स को डीप फ्राई करके बनाया जाता है. अगर आप तेल से परहेज रखते हैं और चिकन फिंगर्स खाना चाहते हैं तो इन्हें बेक कर सकते हैं.

एक नज़र

रेसिपी ॅ ज़ीन : इंडियन, स?टार्टर्स, बेक?स

समय : सिर्फ 20 मिनट

मील टाइप : पार्टी

आवश्यक सामग्री

300 ग्राम चिकन ब्रेस्ट

1 टेबलस्पून ओल्ड बे सीजनिंग

स्वादानुसार नमक

1 टेबलस्पून गार्लिक पाउडर

1 टीस्पून अनियन पाउडर

1 टेबलस्पून बारीक कटी धनियापत्ती

1/2 नींबू का रस

2 अंडे

1 कप मैदा

1 कप ब्रेड म्ब्स

बेकिंग ट्रे

विधि- चिकन ब्रेस्ट को छोटे लंबे टुकड़ों में काट लें.

- इन चिकन पीसेस को बर्तन में रखें.
- इन पर सीजनिंग, नमक, गार्लिक, अनियन पाउडर, धनियापत्ती और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें.
- एक गहरी तल वाली प्लेट में मैदा रखें. दूसरी प्लेट में अंडे फोड़कर फेंट लें. और तीसरी प्लेट पर ब्रेड म्ब्स रखें.
- अब एक चिकन पीस लेकर सबसे पहले इस पर मैदा लपेटें. फिर अंडे में डिप करें और इसके बाद ब्रेड म्ब्स में लपेट पर बेकिंग ट्रे पर रखें.
- इसी तरीके से पूरे चिकन पीसेस को तैयार करके ट्रे पर रख लें.
- ट्रे को 200 डिग्री सेल्सियस पर ओवन में 20 मिनट तक रखकर बेक कर लें.
- तय समय पर इन चिकन फिंगर्स ओवन से निकालें और केचअप के साथ सर्व करें और खाएं.

शब्द सामर्थ्य- 65

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुसबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

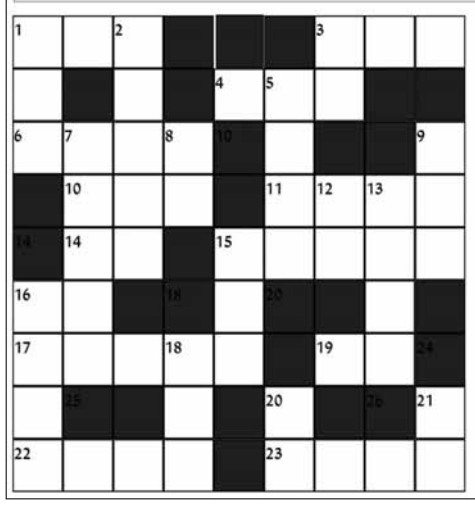

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 64 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

सू-दोकू-65

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.64 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7